यूटीयू के विद्यार्थियों को हरित योद्धा बनाए जाने पर विचार

देहरादून। उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद ने महिला प्रौद्योगिकी संस्थान और उत्तराखंड तकनीकी विवि के सहयोग से सोमवार को पृथ्वी दिवस मनाया। इस दौरान प्लास्टिक बनाम प्लेनेट पर व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। आईआईटी रुड़की के पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अभ्यानंद सिंह मौर्य मुख्य वक्ता रहे। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा, इसका उद्देश्य प्लास्टिक और इसके प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने भविष्य में यूटीयू के छात्र-छात्राओं को हरित योद्धाओं के रूप में प्रशिक्षित करने की भी बात की।

यूकॉस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ. डीपी उनियाल ने माइक्रोप्लास्टिक के प्रभाव, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम और प्लास्टिक सामग्रियों के दुष्प्रभाव गिनाए। डब्ल्यूआईटी निदेशक डॉ. मनोज पांडा ने कहा कि प्लास्टिक प्रबंधन के क्षेत्र में अंतः विषय अनुसंधान की जरूरत है। डॉ. रीमा पंत ने माइक्रोप्लास्टिक के संभावित समाधान बताए। डॉ. अभ्यानंद सिंह मौर्य ने मिट्टी और जलीय प्रणाली में माइक्रोप्लास्टिक पर शोध प्रस्तुत किए। इस दौरान यूकास्ट वैज्ञानिक डॉ. पीयूष जोशी, जागृति उनियाल, जीएस रौतेला, कंचन, डॉ. केसी मिश्रा मौजूद रहे।